हिंदी दिवस

निज भाषा उन्नति आहे, सब उन्नति कौ मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटे न हिय को सूल॥
अंग्रेजी पढ़के जदपि, सब गुण होत प्रवीन।
पै निज भाषा ज्ञान के, रहत हीन के हीन॥

हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा ही नहीं हमारा गौरव, हमारा सम्मान है। हिंदी ने आज़ादी की लड़ाई लड़ी है। हिंदी ने उत्तर दक्षिण को जोड़ा है। यह कारण है कि हम अपनी राष्ट्रभाषा की मान बढ़ने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहते हैं - 'हिंदी दिवस समारोह' इसी दिस में एक सार्थक प्रयास है।

हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी हमने यह दिवस अपने छोटे-छोटे प्रयासों द्वारा हर्षोल्लास से मनाया। हमारे माननीय मुख्य अतिथि श्री ब्रजेंद्र त्रिपाठी जी के आते ही कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन से हुआ। शास्त्रीय शैली में बंधी गणेश वंदना ने वातावरण को ईश्वरमय बना दिया और आनंद चिचरा के मधुर गीत 'पधारो मोरे देश' ने सुर उर संगीत का ऐसा समां बाँधा की उपस्थितगण भाव-विभार हो उथे।

इसके पश्चात हमारे निर्देशक डॉ. बी.पि. सिंह सहगल जी ने अपने अंदाज़ में मुख्य अतिथि जी का स्वागत किया तथा हिंदी दिवस के अवसर पर दो शब्द कहे। तत्पश्चात मुख्य अतिथि जी नें अपने सुविचारों से विद्यार्थियों तथ सभी मनिन्न्य अतिथयों का उत्साह बढ़ाया।

उपशास्त्रीय नृत्य की शैली में थिरकते क़दमों ने सब का मन मोह लिया जब मंच पर उतरी हमारी विश्वविद्यालय की छात्राएँ।

तबला और हारमोनियम की अद्भुत जुगलबंदी परतुत किया अनुराग तथा गायत्री नें।

पूर्वी और पश्चिमी सभ्यताओं का सम्मिश्रण सम्मिश्रण लिए जब छात्राओं नें नृत्य प्रस्तुत किया तो दर्शकों की तालियों की गरगराहट से वातावरण गूँज उठा।

मन के उद्गारों अभिव्यक्ति क एक सशक्त माध्यम है कविता और हमारे कॉलेज के उभरते कवियों ने अपने भावों से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इसमें कुछ नए चेहरे कविता के क्षेत्र में नज़र आये जो वाह-वाही बटोर कर ले गए।

नुक्कड़ नाटक एक नविन विद्या है जिसने सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। हमारे छात्र-छात्राओं ने अपने नाटक द्वारा हिंदी के महत्व को उजागर किय।

पुराने गीतों की सुरीली झड़ी ने श्रोताओं को एक अलग ही दुनिया में पहुंचा दिया और सब के हाथ एक साथ करतल ध्वनि में उठ गए।

इसके उपरान्त 'ब्रेथलेस' की धुन पर एक शास्त्रीय नृत्य और हरे रामा-कृष्णा गीत ने सबका मनोरंजन किया।

इस कार्यक्रम की तस्वीरें कॉलेज के फोटोग्राफी क्लब 'प्रतिबिम्ब' ने उतरीं। कार्यक्रम का समापन डॉ. तपन कुमार चंडोला के आभारोक्ति से हुआ।

'हिंदी दिवस समारोह' एक अविस्मरणीय शाम के रूप में आने वाले कई वर्षों तक सबको याद आता रहेगा। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि हमारी राष्ट्रभाषा सदा उन्नति के पथ पर अग्रसर रहे।